

भाग अ - परिचय	
कार्यक्रमः प्रमाणपत्र	वर्ष : 2021 सत्र 2021:-22
पाठ्यक्रम का कोड	VI-HOR-ORGT
पाठ्यक्रम का शीर्षक	जैविक खेती
पाठ्यक्रम का प्रकार :	व्यावसायिक
पूर्वपिछा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र को किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास होना चाहिए।
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) CLO	<p>इस कोर्स का अध्ययन करने के बाद छात्र निम्न कर सकने में सक्षम होगा -</p> <ul style="list-style-type: none"> • संरक्षित खेती के लिए मीडिया तैयार करना • सिंचाई और फर्टीगेशन, ग्रीन हाउस संचालन, सिंचाई और फ्यूस्टीगेशन, संरक्षित संरचना की देखभाल और रखरखाव। • संरक्षित खेती में विशेष बागवानी प्रक्रियाओं को समझना • कीट-नाशकजीवों और बीमारियों की पहचान और नियंत्रण फसल और कटाई के बाद की प्रक्रियाओं को समझना
अपेक्षित रोजगार करियर के / अवसर	सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र में नौकरी के अवसर एवं स्वरोजगार।
क्रेडिट मान	4

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यानों की कुल संख्या + प्रैक्टिकल (प्रति सप्ताह घंटों में): व्याख्यान -1 घंटे / प्रैक्टिकल अवधि -1 प्रायोगिक घंटे

व्याख्यान/प्रैक्टिकल की कुल संख्या : L-30hrs/P-30hrs

मॉड्यूल	विषय	घंटे
I	परिचय और सिद्धांत, जैविक खेत का विकास, मिट्टी को जैविक मिट्टी की खेती और जुताई में बदलना, अच्छी बढ़ती परिस्थितियों का निर्माण, मिट्टी का संघनन, मिट्टी की खेती के प्रकार।	5
II	फसल योजना और प्रबंधन, फसल चक्र, अंतरफसल, कवर फसलें, फसल-पशु संघा। मल्लिचग: परिभाषा, उपयोग, मल्लिच सामग्री का चयन, मल्लिच सामग्री का स्रोत, मल्लिच का अनुप्रयोग।	8
III	जैविक रूप से खेत का प्रबंधन करें, लाइव बाइ लगाना, जल और पोषक तत्व प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन, कीट और रोग प्रबंधन। पौध प्रसार, बीज मूल्यांकन के लिए मानदंड, लक्षण वर्णन और गुणन, पारंपरिक किस्मों का महत्व, बीज संरक्षण।	10
IV	जैविक प्रबंधन के अन्य रूप, वायोडायनामिक कृषि, ऋषि कृषि, प्राकृतिक खेती, पंचगव्य कृषि, नाटुको खेती, होमा खेती।	7
प्रायोगिक पाठ्यक्रम		
	<ol style="list-style-type: none"> 1. मृदा नमूनाकरण और मृदा पीएच का निर्धारण। 2. मृदा कार्बनिक कार्बन सामग्री का निर्धारण। 3. नर्सरी और बीज क्यारी तैयार करना। 4. कवकनाशी और जैव-उर्वरक के साथ बीज उपचार। 5. विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों, खादों, जैव उर्वरकों की पहचान। 6. फसलों (गेहूं, चावल और मक्का के लिए) की पोषक आवश्यकताओं के आधार पर उर्वरक आवश्यकता की गणना। 7. एफवाईएम और कम्पोस्ट तैयार करना। 8. कीट नियंत्रण और पोषक तत्व स्प्रे के लिए स्प्रेयर और डस्टर का उपयोग। 9. फसल के बीज (गेहूं, चावल, मक्का और सरसों) में नमी की मात्रा का निर्धारण। 10. किसी फसल के खेत का दौरा करें और स्वस्थ पौधे की तुलना रोगग्रस्त और कीट प्रभावित पौधे से करें। 11. विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों, कवकनाशी और शाकनाशी की पहचान। 	30
परियोजना / अध्ययन यात्रा : जैविक फार्म का भ्रमण / खेती के किसी भी विषय से संबंधित परियोजना प्रस्तुति		

Organic farming. VOC

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures + Practical (in hours per week): L-1 Hr / P-1 Lab Hr		
Total No. of Lectures/ Practical: L-30hrs/P-30hrs		
Module	Topics	No. of Hours
I	Introduction and Principles, Developing Organic farm, conversion of soil to organic Soil Cultivation and Tillage, Creating good growing conditions, soil compaction, Types of soil cultivation.	5
II	Crop planning and management, Crop rotation, intercropping, cover crops, crop - animal association. Mulching: Definition, Uses, Selection of mulch materials, source of mulching materials, Application of mulch.	8
III	Organically manage the field, Live fencing, Water and nutrient management, Weed management, Pest and disease management. Plant propagation, Criteria for seed evaluation, characterization and multiplication, Importance of traditional varieties, Seed conservation.	10
IV	Other forms of organic management, Biodynamic agriculture, Rishi Krishi, natural farming, panchgavya krishi, Natueco farming, Homa farming.	7